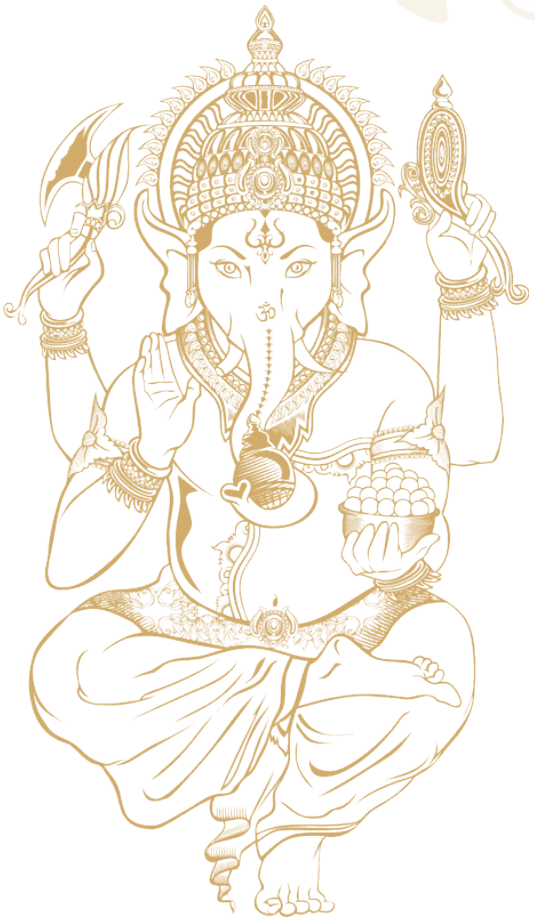

Simran Dubey

14 Feb 1998

02:51 PM

Jhansi

Model: web-freekundliweb

Order No: 119884903

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**14/02/1998**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**14:51:00 घंटे**
इष्ट	19:57:57 घटी
स्थान	**Jhansi**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:27:00 उत्तर
रेखांश	78:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:15:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:35:16 घंटे
वेलान्तर	-00:14:14 घंटे
साम्पातिक काल	00:12:03 घंटे
सूर्योदय	06:51:49 घंटे
सूर्यास्त	18:08:20 घंटे
दिनमान	11:16:32 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	01:38:47 कुम्भ
लग्न के अंश	19:32:58 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 3**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	धृति
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पा-पल्लवी
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	19:32:58	317:38:19	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	---
सूर्य			कुंभ	01:38:47	01:00:37	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			कन्या	04:13:38	11:51:14	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	मित्र राशि
मंगल			कुंभ	21:54:15	00:47:02	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	सम राशि
बुध		अ	मक	25:29:20	01:43:23	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	सम राशि
गुरु		अ	कुंभ	08:32:31	00:14:24	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	सम राशि
शुक्र			धनु	26:01:01	00:18:50	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	सम राशि
शनि			मीन	22:46:16	00:05:41	रेवती	2	27	गुरु	बुध	चंद्र	सम राशि
राहु			सिंह	16:40:45	00:00:59	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	शत्रु राशि
केतु			कुंभ	16:40:45	00:00:59	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			मक	15:50:02	00:03:25	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	---
नेप			मक	06:45:56	00:02:07	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	14:03:18	00:00:52	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			मीन	09:27:06	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:47

लग्न-चलित

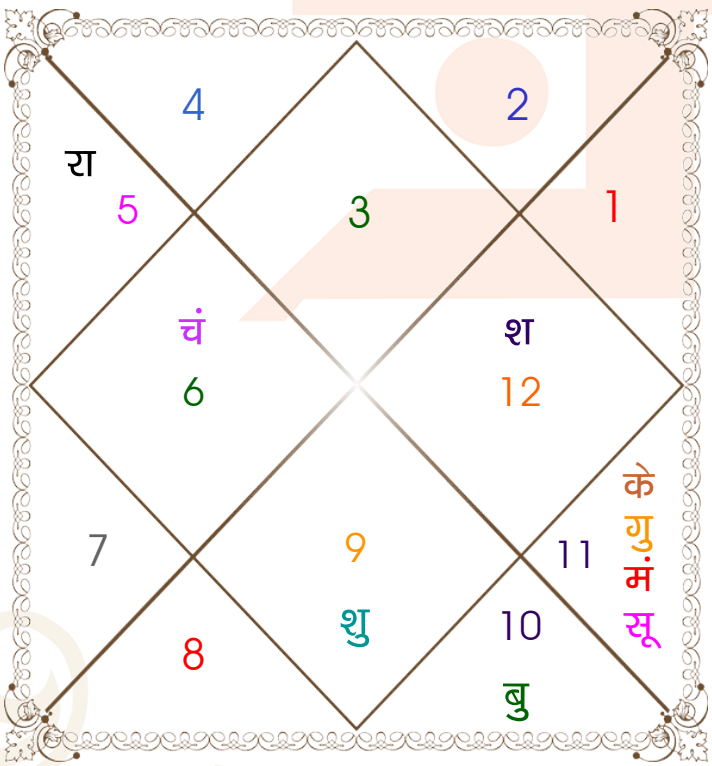

चन्द्र कुंडली

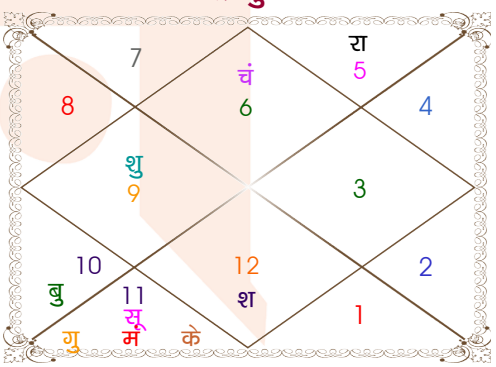

नवमांश कुंडली

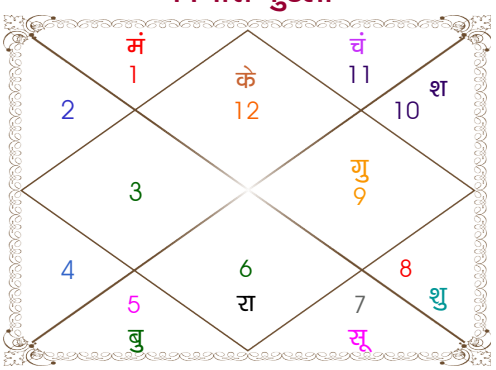

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 2 वर्ष 7 मास 5 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
14/02/1998		20/09/2000		20/09/2010		20/09/2017		21/09/2035	
20/09/2000		20/09/2010		20/09/2017		21/09/2035		21/09/2051	
	00/00/0000	चंद्र	21/07/2001	मंगल	17/02/2011	राहु	02/06/2020	गुरु	08/11/2037
	00/00/0000	मंगल	19/02/2002	राहु	06/03/2012	गुरु	27/10/2022	शनि	21/05/2040
	00/00/0000	राहु	21/08/2003	गुरु	10/02/2013	शनि	02/09/2025	बुध	27/08/2042
	00/00/0000	गुरु	20/12/2004	शनि	22/03/2014	बुध	21/03/2028	केतु	03/08/2043
	14/02/1998	शनि	22/07/2006	बुध	19/03/2015	केतु	09/04/2029	शुक्र	03/04/2046
शनि	09/07/1998	बुध	21/12/2007	केतु	15/08/2015	शुक्र	09/04/2032	सूर्य	20/01/2047
बुध	16/05/1999	केतु	21/07/2008	शुक्र	14/10/2016	सूर्य	03/03/2033	चंद्र	21/05/2048
केतु	21/09/1999	शुक्र	22/03/2010	सूर्य	19/02/2017	चंद्र	02/09/2034	मंगल	27/04/2049
शुक्र	20/09/2000	सूर्य	20/09/2010	चंद्र	20/09/2017	मंगल	21/09/2035	राहु	21/09/2051

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
21/09/2051		20/09/2070		21/09/2087		20/09/2094		21/09/2114	
20/09/2070		21/09/2087		20/09/2094		21/09/2114		00/00/0000	
शनि	24/09/2054	बुध	16/02/2073	केतु	17/02/2088	शुक्र	20/01/2098	सूर्य	09/01/2115
बुध	03/06/2057	केतु	13/02/2074	शुक्र	18/04/2089	सूर्य	20/01/2099	चंद्र	11/07/2115
केतु	12/07/2058	शुक्र	14/12/2076	सूर्य	24/08/2089	चंद्र	21/09/2100	मंगल	16/11/2115
शुक्र	11/09/2061	सूर्य	21/10/2077	चंद्र	25/03/2090	मंगल	21/11/2101	राहु	09/10/2116
सूर्य	24/08/2062	चंद्र	22/03/2079	मंगल	21/08/2090	राहु	21/11/2104	गुरु	28/07/2117
चंद्र	24/03/2064	मंगल	18/03/2080	राहु	09/09/2091	गुरु	23/07/2107	शनि	15/02/2118
मंगल	03/05/2065	राहु	06/10/2082	गुरु	14/08/2092	शनि	21/09/2110		00/00/0000
राहु	09/03/2068	गुरु	11/01/2085	शनि	23/09/2093	बुध	22/07/2113		00/00/0000
गुरु	20/09/2070	शनि	21/09/2087	बुध	20/09/2094	केतु	21/09/2114		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 2 वर्ष 7 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों की पर्यटक होंगी। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगी।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगी। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि की स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पाती। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाती हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देती हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने की आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहती हैं।

आप अच्छी तरह यह जानती हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करती हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होती हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाती हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकती हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगी। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगी।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगी। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।